

তাহসীর ফী যিলালিল কুরআন - সূরা তুল বুরাজ

আর-রহমানুর রহীম আল্লাহ তাআ'লার নামে-

- ১) শপথ (বিশালাকায়) গম্বুজ বিশিষ্ট আকাশের;
২) (শপথ) সেই দিনের যার আগমনের ওয়াদা করা হয়েছে;
৩) শপথ (সেই প্রত্যক্ষদর্শী) সাক্ষীর, (শপথ সেই ভয়াবহ দৃশ্যের) এবং যা কিছু পরিদৃষ্ট হয়েছে তার;
৪) (মু'মিনদের জন্য খোঁড়া) গর্তের মালিকদের (লোকদের) ওপর অভিসম্পাত;
৫) আগুনের কুন্ডলী যা জ্বালানীতে পূর্ণ ছিলো;
৬) (অভিসম্পাত তাদের ওপরও) যারা তার পাশে বসা ছিলেন;
৭) এই লোকেরা মু'মিনদের সাথে যা করছিলো এরা তা প্রত্যক্ষ করছিলো ।
৮) তারা এই (ঈমানদারদের) কাছ থেকে এছাড়া অন্য কোন কারনে প্রতিশোধ গ্রহণ করেনি যে তারা এক পরাক্রমশালী ও প্রশংসিত আল্লাহর ওপর ঈমান এনেছিলো ।
৯) (ঈমান এনেছিলো) এমন এক সত্ত্বার ওপর যার জন্যে (নিবেদিত) আসমানসমূহ ও যমীনের যাবতীয় সার্বভৌমত্ব । আর আল্লাহ তা'আলা (তাদের) সব কয়টি কাজের ওপরই সাক্ষী ।
১০) যারা মু'মিন নর-নারীদের অত্যাচার করেছে এবং (জঘন্য পাপ) কখনো তারা তাওবা করেনি তাদের জন্য রয়েছে জাহান্নামের (কঠোর) আযাব । তাদের জন্যে আরও রয়েছে (আগুনে) জ্বলে-পুড়ে যাওয়ার শাস্তি ।
১১) (অপরদিকে) নিশ্চয়ই যারা আল্লাহ তাআ'লার ওপর ঈমান এনেছে এবং (ঈমানের দাবী অনুযায়ী) ভালো কাজ করেছে, তাদের জন্যে রয়েছে এমন জান্নাত যার নীচ দিয়ে ঝর্ণাধারা প্রবাহিত সেটাই হবে (সেদিনের) সবচেয়ে বড় সাফল্য ।
১২) তোমার মালিকের পাকড়াও হবে ভীষণ শক্ত ।
১৩) তিনিই (তোমাদের বানানো) গুরু করেছেন এবং তিনিই (আবার তোমাদের জীবন) ফিরিয়ে দেবেন ।
১৪) তিনি ক্ষমশীল (সৃষ্টিকে) তিনি ভালোবাসেন ।
১৫) তিনি সম্মানিত আরশের একচ্ছত্র অধিপতি ।
১৬) তিনি যা চান তাই করেন, (নিজ ক্ষমতায় বলীয়ান হয়েই করেন) ।
১৭) তোমার কাছে কি (কতিপয় বিদ্রোহী) সেনাদলের কথা পৌঁছেছে?
১৮) ফেরাউন ও সামুদ (এর বাহিনী) ।
১৯) এরা কোনোদিনই (সত্যকে) বিশ্বাস করেনি, (তারা) ছিলো মিথ্যার মাঝে (লিপ্ত) ।
২০) (অথচ) আল্লাহ তা'আলা এদের (সম্মুখ ভাগ) ও পেছন থেকে ঘিরে রেখেছেন ।
২১) কোরআন (উন্নত ও) মহা মর্যাদাসম্পন্ন (একটি গ্রন্থ) ।
২২) একটি (মহান) ফলকে (এটা) সংরক্ষিত আছে ।

সংক্ষিপ্ত আলোচনা

GB ʔᵐ miwU Bmjvgx AvKx`vi ZĖ I Bgvbx ʔPŠvavivi ʔfiĖmgnʔK AZ`š ,i"Zcy ʔelq ʔnmvʔe Zʔj aiʔQ| G,ʔjvi Pviw`ʔK mg`icmvi x cLi tʔR`wZ ʔeKxb nq| tᵐ tʔR`wZ ʔVKʔi cʔo AvqʔZi cZ`ʔ gg I ZʔĖi I cʔi, hvʔZ ciZwU AvqʔZ, Ggb ʔK KLʔbv KLʔbv cʔiZU kă ʔekvj ʔek RMʔZi ZĖ I Z\_` AbmÜvʔbi Rʔb` Rbvjv Lʔj ʔ`ʔZ mʔʔg nq|

ʔh ʔelqU GB miqv cZ`ʔfvʔe AvʔjʔPZ nʔqʔQ, Zv nʔ"Q 'আসহাবুল উখদুদের' NUbv| NUbwU GB ʔh, cvPxʔKvʔj Bmjvg MnYKvi x GK`j gŏgb Zʔʔi kĭ", GKŏU Avjvnʔ`vnx `eʔĖi nvʔZ ʔbŏi ʔbhvZʔbi ʔKkv i nʔqʔʔjbj| Kw_Z AvʔQ ʔh gŏgbʔi GB `jʔU nhiZ Bmv AvjvBʔnm mvjvʔgi Abmvixʔi gʔa` hviv Lʔʔjm ZvInx`cšx ʔQʔjb Zʔʔi B Ašf<sup>3</sup> ʔQʔjb| ʔbhvZʔKvi x Avjvnʔ`vnx tʔMvŏwU hjg ʔbcxŏbi graʔg ZʔʔiʔK Zʔʔi AvKx`v ʔekvm cʔiZ`vM I Bmjvg eRb Kʔi mvʔeK tʔkʔiKx AvKx`v ʔekvʔmi ʔ`ʔK ʔdʔi Avmvi Rb` Pvc ʔ`"ʔʔjv| ʔKš Zviv me ʔKQ Dʔcʔv Kʔi I Zʔʔi ʔbʔ`k cZ`vL`vb Kʔi ʔbʔRʔ`i AvKx`v ʔekvʔm AUj \_vʔKb| Avjvnʔ`vnx tʔMvŏwU ZLb Zʔʔi Rʔb` gwUʔZ cKUv MZ tLʔʔo Ges ZʔʔZ Av ,b Rvwjʔq gŏgbʔiʔK tᵐB Rjš AʔMKʔÜ ʔbʔʔc Kʔi cʔoʔq tʔʔi tʔʔj|

G#nb cvk#eK cšvq g#gb#`i#K nZ`v Kivi NubwU cZ`¶ Kivi R#b` Bmjv#gi wecj msL`K RbZv#K mg#eZ K#i|
 tmB RbZvi t#v#Ki mvq#bB GB t#vgnIK NUbv N#U| Avjvn#`nx tMv#U g#gb#`i#K c#o#q gvivi GB NUbv cZ`¶ K#i
 bviKxq Djv#m t#Z DV#Z t#q#Q#jv| Avjvn ZvAvjv e#jbt ‘চির প্রশংসিত মহাপরাক্রান্ত আল্লাহর ওপর তারা কেন ঈমান
 আনলো মু’মিনদের কাছ থেকে তারা শুধুমাত্র তারই প্রতিশোধ নিয়েছিলো।’

miwU `ii" n#q#Q K#qKuU kc\_ ev#K`i gva#g| ‘বরুজ সম্মিলিত আকাশের শপথ, প্রতিশ্রুতি দিবসের শপথ, দর্শকের শপথ
 এবং যা কিছু পরিদৃষ্ট হয় তার শপথ, গর্তের মালিকরা ধ্বংস হয়েছে।’ GLv#b AvKvK I Zvi wek#qKi ei"Rmg#ni g#a",
 c#ZK#Z #`em I Zvi AmvaviY NUbvejxi g#a" GB NUbv c\_¶¶Kvix mg#eZ RbZv I ci`ó NUbvejxi g#a" thvMmÎ
 `vcb Kiv n#q#Q| Avevi GB me, #jv#K Av#jvP" NUbvi mv#\_ Ges AmMKÛ m#óKvix Avjvn#`vnx P#µi Ici AvKv#ki
 c#Z#kva Mn#Yi mv#_ m#óKh³ Kiv n#q#Q|

Gici Ggb AvK#`SKfv#e tmB ü`qe`viK NubwU Z#j aiv n#q#Q, hv#Z tKvb `xN I weka weeiY QvovB Av#eM
 Abf#Z#Z NUbvi ^ck#PK I exfrm i#c c#ZfvZ nq| GLv#b Avb#MKfv#e GB aviYvI t`qv n#q#Q th, gvb#li hjg-
 #bcxob h#Zv K#vB I t#vgnIKB tnvK bv tKb, Bmjvgx AvKx`v- wekv#mi `vb Zvi t#q A#bK D#a#| G AvKx`v I Av`k
 Av, #bi Ici weRqx GgbK `qsgvb#li Rxe#bi Ici I Zvi cvavb` i#q#Q|

G Av`k tmB m#ev"P #kL#i DbxZ, hv meKv#j I mKj cR#b#i gvb#li t#ôZ I gn#Ei Drm| GLv#b GB g#gI B#MZ
 i#q#Q th, GB nZ`vKv#U K#Zv gg#SK I ^ck#PK Avi Gi t#q#b K#Zv bxPZv, nxbZv, kvZv Ges AvMvmx I we#`vnxZ#K
 gvb#mKZv Kv#Ki i#q#Q| Avi Gi cvkv#k g#gb#`i g#a" KZ #b`úvcZ, K#Zv c#e#Zv Ges K#Zv gnr I D"P
 gvb#mKZv weivRgv #Q#jv| Awfkvc Zv#`i Ici hviv AmMK#Ui cv#k e#m #Q#jv, Avi Zviv g#gb#`i mv#_ #K AvPiY
 Ki#Q#jv, Zv t`L#Q#jv

GiciB GK GK K#i Avm#Q ms#¶ß g#e" I chv#jvPbv, Bmjvgx `vIqvZ, Bmjvgx AvKx`v I tg#jK Cgvbx #P#vavivi
 mv#_ th , i"Zcy weq, #jv I r#civZfv#e R#oZ|cieZx ms#¶ß g#e", #jv#Z tm, #jv A#f³ n#q#Q|

cieZx Avqv#Z GB g#g B#MZ Kiv n#q#Q th, AvKvK I c#_exi Ici Avjvni mve#f#g I #bisKk KZZ weivRgv|
 AvKvK I c#_ex#Z hv #KQ N#U, Zv#Z Avjvn ZvAvjv mivm#i Dc#`Z \_v#Kb I Zv cZ`¶ K#ib| ‘যার রাজত্ব বিরাজিত
 আকাশ ও প্রথিবীতে এবং আল্লাহ তা’আলা সব কিছুরই প্রত্যক্ষদর্শী।’

cieZx Avqv#Z Rvnbv#gi tmB Avhve Ges tmB `nbh#bvi D#jL Kiv n#q#Q, hv mxgv AvZugKvix c#icô eei t#jvK#`i
 R#b` A#c#¶v Ki#Q| Avi Zvi cvkv#k te#nk#Zi tbqvg#Zi weeiY t`qv n#q#Q Ges Zv cvIqv#K weivU mvdj`i#c
 D#jL Kiv n#q#Q|

Avcb Av`k#K Rxe#bi Ici AM#iKvi #`#q Av, b I Av, #b `»xfZ nIqv cix#¶vq D#xY nIqv g#gb#`i R#b` tmB
 tbqvgZ #b#`ó i#q#Q|

‘নিশ্চয়ই যারা মু’মিন নারী ও পুরুষদের ওপর অত্যাচার করেছে এবং তারপর তাওবা করেনি, তাদের জন্যে জাহান্নামের আযাব
 ও দহন-যন্ত্রণা নির্দিষ্ট রয়েছে। আর যারা ঈমান এনেছে ও সৎকর্ম করেছে, তাদের জন্যে নির্দিষ্ট রয়েছে বেহেশত যার- তলদেশ
 দিয়ে ঝর্ণাসমূহ প্রবাহিত। আর তাই বিরাট সাফল্য।’

miwU#Z Avjvni K#Vvi cvKovI m#ó#KI û#kqvi Kiv n#q#Q#t ‘যিনি প্রথম সৃষ্টি করেন এবং পুনঃসৃষ্টি করেন।’

e`Zt G#U Ggb GK mZ", hv Av#jvP" NUbvq webó cvY, #jvi mv#\_ cZ`¶ fv#e R#oZ Ges GB NUbvi Ici m`i cmvix
 Av#jvKcvZ K#i| Gici Avjvni we#fb , Y eYbv Kiv n#q#Q Ges Gi c#Z`KuU , YB m#b#`ó Zvrch enb K#i|

‘তিনি ক্ষমশীল ও স্নেহময়’ tKD h#Zv eo I h#Zvmksm AcivaB Ki"K bv tKb, Zvlev Ki#j #Z#b Zvi R#b` ¶|gvkxj, Avi
 Zvi th e#`viv Zv#K Ab` me #KQi D#a`vb t`q Zv#`i R#b` #Z#b tmngq| ‘স্নেহ’ GLv#b Avjvni #bh#ZZ e#`v#`i g#bi
 Kó mvi#bvi I la Z_ v c#eva evK"|

‘তিনি মহান আরশের অদিপতি, যা ইচ্ছা করেন তা করেই ছাড়েন।’

G , Y, #jv Avjvni #bsKk KZZ, #bisKk ¶|gzv I meiv#K B"Qv#³ i cZxK| G, #jv meB NUbvi mv#_ mivm#i R#oZ|
 G, #jvI NUbvi Ici m`icmvix Av#jvKcvZ K#i|

Gici AvZ `ZM#Z#Z Avjvn#`vnx k#³mg#ni AZxZ KgKv#Ui cmsM G#m#Q| GB me Avjvn#`vnx k#<sup>3</sup> hveZxq A` I
 miÄv#g mm#3/4Z #Q#jb|

‘তোমার কাছে কি ফেরাউন ও সামুদ- এই দুটি বাহিনীর খবর এসেছে?’

Avj tKviAv#bi mZ"Zv, Zvi gj fvl" I Zvi kvLvckvLvi "wq#Zi wbðqZv t`qv n#q#Q| 'বরঞ্চ এটি মহান কোরআন, মহান ফলকে সুরক্ষিত i' Gi A\_`vo#jv GB th, tKviAvb th wmxvš t`q tImUvB me#el#q Povš I me#kl wmiš| G chš mš#¶#c Av#jwPZ n#jv miv ei#Ri e'vck I m`i cmvix Av#jvPbvi w#lqe" I e³e'| Gi gva#g IB e³e' I Av#jvP" w#l#qi w#ek` Av#jvPbvi cUf#g c"Z Kiv n#"Q|

‘বুরুজ সমন্নিত আকাশের শপথ, প্রতিশ্রুত দিবসের শপথ এবং দর্শক ও যা কিছু পরিদৃষ্ট হয় তার শপথ’ i criLv ev vekvj Ktci i NUbvi Avfvm t`qvi AvtMB miwU Gfvte “বুরুজ সমন্নিত আকাশের শপথে” i gva`tg ii ntq#Q| ‘বুরুজ’ A_cvmv`| G Qviv eo eo b`¶iK i eSv#bv ntq_vKtZ cvti| G_s`jv thb gnvKv#ki eo eo cvmv`| thgb Avjvn ZvAvjv e#j#Qbt ‘আকাশকে আমিই নিজ হাতে নির্মাণ করেছি এবং আমি তাকে আরো প্রশস্ত বানাবো’ i`ZwB Av#iv e#jbt ‘তোমাদেরকে সৃষ্টিকর কঠিন না আকাশ সৃষ্টি করা?’

‘শপথ প্রতিশ্রুত দিবসের’ GɪU nɪjv cɪw_e NUBvejxi tʃɪɪ Povš ɪmɔvš MnY Ges cɪ_exi hveZɪq ɪnmve-ɪbKvɪk tɢUvɪbvi
 ʷb| G ʷbUv th ɪbNvZ AvmɪeB Ges G ʷɪbB th ɪnmve-ɪbKvɪki ci Kgdj tʃq nɪe, tɪ eʷcɪi Avjɪn ZɪʷAvjv
 cɪZkʷZ ʷʃqɢb| hviv Avjvni ɪePvɪi cZʷvɪ ZvɪʃiK Zɪɪb GB ʷb chš mgq ʷʃqɢb| GUvB mɪeʷP ,iʷZ mɔʷb
 tɪB ʷb hvɪ Aɪcʃvq tKɪU tKɪU mɪʷ Aɪcʃvgv iʃqɢ, ɪeʷkl Kɪi Kfɪvɪe ɪeɪv tɢUvɪbvi nq Zv tʃʷLvi Rbʷ|

শপথ সাক্ষীর এবং যা কিছু পরিদৃষ্ট হয়েছে তার ' t h ʼ b mKj m ʼ o ʼ K Ges mKj KgZrciZv ʼ K Z ʼ j aiv n ʼ e, t m ʼ b me ʼ KQB cKw ʼ kZ n ʼ e Ges mK ʼ j B Zv cZ ʼ ʼ K i ʼ e, me ʼ KQB Rv ʼ b e Ges PgP ʼ ʼ I gvbM P ʼ ʼ Df ʼ q i mvg ʼ b B me ʼ mKQ cKw ʼ kZ n ʼ e, tKD tKv ʼ b v ʼ mKQ jKv ʼ z cv i ʼ e bv |

cii#ek I tcfjvcU ASK#bi KvRwU mgwß nevi ci A#Z`Z gj NUBvi c#Z BsmMZ Kiv n#q#Q| ‘ধ্বংশ হোক গর্তের
অধিপতিরা, যে গর্তে কুন্যলি পাকানো আগুন ছিলো। তারা সেই কুন্ডের পাশে উপবিষ্ট ছিলো মু’মিনদের সাথে তারা যে
আচরণ করেছিলো তা স্বচক্ষে দেখছিল। এই মু’মিনদের সাথে তাদের শত্রুতা ছিলো শুধু এ কারণে যে, তারা সেই আত্মাহরের
প্রতি ঈমান এনেছিলেন যিনি প্রবল পরাক্রান্ত ও প্রশংসিত, যিনি আকাশ ও পৃথিবীর মালিক এবং আল্লাহ তা’আলা সকল (ঘটনা
ও সকল) জিনিসেরই দ্রষ্টা i’ NUBwUi eYbv i i tn#q#Q DL`` Z_v K#Üi A#ac#Z`i #ei#x cPÜ c#Z#kva Mn#Yi tNvIYvi
gva#g| ‘কুলো’- ‘ধ্বংস হয়েছে’ kãuU t#uva I Av#µv#ki A_ enb K#i| Avjvni GB t#uva I Av#µvk A#MKÜ cRjKvi
tMvöi Dci #bc#ZZ| G Øviv G K_vI eS#bv n#q#Q th, AcivaU GZ #bKó I NY` th, Zv gnv`ahkxj Avjvni I t#µv#ai
D#`K K#i#Q Ges Zv#K ciZ#kva MnY, Zv#`i#K nZ`v I a#s#mi ûgwK c`vb chš Dxx K#i#Q|

‘অগ্নিকুন্ডের অধিবাসীরা ধ্বংস হোক।’ ev̥wek cʰŋ Zviv GB Av̥ɸv̥k I ciZkva Mn̥Yi thwM̃ | wekIZ th ciw̃weZk Zviv IB AcivaU msNwUZ KʰiwQj | ‘যখন তারা তার পাশে উপবিষ্ট ছিলো এবং মু'মিনদের সাথে কৃত আচরণ প্রত্যক্ষ করছিলো।’ G K vUv Øviv Zk̃ bxiZ I Ae-vb w̃bʰk Kiv ñʰO, Zviv AmKʰûi cvk eɸm Av. b RvivʷOʰjv Ges gōqb

bvix I ci"l`i`iK a#i a#i Zv#Z w#qK KiQ#jv| Zvi GB %ckwPK I ggš` NUbvi AwZ Kv#Q Ae`vb KiQ#jv| Zviv wbhvZ#bi weifb i/c I `i Ges t`#n Av, #bi `nb-wμqv Djvm mnKv#i Dc#fvm KiQ#jv| Ab` K_vq ejv hvq, Zviv wBR wBR tPZbv I AbfiZ#Z GB ^ckwPK I ee#iwPZ `k` a#i ivLwQ#jv|

gôlgbtKv#bv Aciva K#iwb Ges tm R#b` Zv#`i Ici tKv#bv cWZ#kva Mn#YiI ck l#Vwb| ‘তাদের বিরুদ্ধে অগ্নিকুন্ডের অধিবাসীদের এছাড়া আর কোনো অভিযোগ ছিলো না যে, তারা এক পরাক্রমশালী ও প্রশংসিত আল্লাহর ওপর ঈমান এনেছিলো.... আল্লাহ তা’আলা সকল জিনিষের প্রত্যক্ষকারী।’ e`Z Zv#`i GUvB wQ#jv GKgvÎ Aciva th, Zviv GKgvÎ Avjvni Ici Cgvb G#biQ#jv|

‘আযীয’ A_hv B`Qv Zv Kivi flgZvmóub| ‘হামীদ’ A\_mee`vq cksmbxq Ges Avcb AwaKvi e#j cksmZ, PvB AÁ t#jv#Kiv Zvi cksmv Ki`K ev bv Ki`K| wZwb Cgvb Avbvi I Bev`vZ Kivi Dch<sup>3</sup>| wZwb GKKfvte AvKvk I cwi\_exi mve#fšg flgZvi gw#jK| wZwb mKj wRlwm cZ`fl K#ib I mKj wRlwtm Dcw`Z\_v#Kb| Zvi B`Qv cwiZU KgKv#Úi mv#_Ggb Awe#Q`móuk iv#L thb wZwb tmLv#b Dcw`Z|

g'igbt`i Ges AmMK#Úi AwacwZ#`i Ae`v wZwb mivmwi cZ`fl K#i#Qb| G Dm³U Øviv Ggb GKwU tm#ni cik ejv#bv nq hv gôlgbt`i gb#K Avk` K#i, Avi t`QvPvix Avjvn t`vnx#`i ciZ D`PviY K#i K#vvi ûkqvix| e`Zt Avjvn ZvôAvjv IB NUbvi Pvfl I `kK wQ#jb, Avi Pvfl I `kK wnmv#e Avjvn ZvAvôjvB h#_ó|

gvÎ GB Kqwu fl` Avqv#ZB NUbvi weeiY t`qv tkl n#q#Q| Avi Zv Ggb fvlvq t`qv n#q#Q th, gvb#li gb GB bviwKq nZ`vKv#Úi wei#x I Gi tnvZv#`i wei#x NYv I wa`v#i f#i l#v, Avi NUbvi tbc#_ Gi mave` ciZwμqv w#q fve#Zl AbcwYZ K#i| Avjvni Kv#Q G NUbvi gj`vqb Kx n#Z cv#i Ges Gi tnvZv Zvi cfl t#K wKi/c tμva I cwiZ#kv#ai m#Lxb n#Z cv#i, tm móú#Kl wPšvfvebv Ki#Z Dxx K#i| e`Zt G Aciv#ai GLv#bB cwiimgv# N#Uwb, eis Avjvni wnmv#e Gi Av#iv A#bK wKQ NU#Z evKx i#q#Q, hv NU#e ciKvjxb Rxe#b|

Abijcfvte NUbwUi weeiY Ggbfvte mgv# n#q#Q th, Cgvb#K Ggb Kivb cixflvq DëXY n#Z t`#L, AvKx`v vekvm#K Rxe#bi e`vcv#i Ggb tec#ivqv n#Z t`#L Ges ^`wnK wbhvZb I cwi\_e`v`#K D#cflv K#i mvg#b GwM#q th#Z t`#L cvwKg#fB AwffZ n#q hvq| Cgv#bi civRq t#b w#q RxebUv#K evPv#bv nq#Zv gôlgbt`i c#fl m#eci wQ#jv| wKš Gfvte Rxeb evPv#j Av#Liv#Zi c#e GB `wbqv#Z Zviv e`w<sup>3</sup>MZfvteB ev K#ZvLwb flwZM` n#Zb, Avi tMuvv gybeRwZB ev Zv#Z K#ZvLwb flwZM` n#Zv, tmUv t#te t`Lv`iKvi|

wbnZ nIqv Rxe#bi mv_KZv wK flwZM` n#q#Q? Rxe#bi mv\_KZv ej#Z eSv qvq Av`kevb Rxeb| tKbbv Av`k Qvov Rxeb A\_nxb| Avi `vaxbZv Qvov Rxeb ghv`vnx| Avjvn#`vnxiv hw` gvb#li t`n#K Kehv Kivi ci Zvi AvZ#i IciI AwacZ` we`vi K#i, Zvn#j tm Rxeb#K gvb#eZi Rxeb Qvov Avi wKQ ejv hvq bv| e`Z GUv n#`Q AZ`š gnvb Zvrch I weivU mv\_KZv| ‘আসহাবুল উখদুদের’ NUbvq th gôlgbiv AmMK#Ú Rxeš `» nb Zv#`i Rxeb GB Zvrc#hi w`K w`q mdj I mv_K|

hLb Zviv Av, #bi `úk Abfe KiQ#jv Ges Zv#`i t`n `» nw`Qj, ZLb Zviv G mv\_KZv Arb I Abfe K#i#Q| G gnvb mv\_KZv I Zvrch Av, #bi `nbwμqv gva`g weix n#q Zv#`i Rxeb#K mvdj`gWZ K#i#Q| Gici Zv#`i cwiZvj#Ki Kv#Q Zv#`i R#b` msiwflZ i#q#Q GK ciYvg| Avi Zv#`i kÎ` Avjvn#`vnx#`i R#b` i#q#Q wfb ciYvg| cieZx AvqvZ, #jv#Z weeiY Avm#Q|

‘যারা মু’মিন নারী ও পুরুষদেরকে নির্যাতন করেছে এবং তারপর তাওবা করেনি, তাদের জন্য রয়েছে জাহান্নামের আযাব ও দহন-যজ্ঞা। আর যারা ঈমান এনেছে ও সৎকাজ করেছে, তাদের জন্য রয়েছে বাগিচাসমূহ, যার নিচ দিয়ে ঝর্ণাসমূহ প্রবাহিত হবে। বস্তুত ওটাই হচ্ছে বিরাট সাফল্য।’

cwi_ex#Z I cwi_e Rxe#b hv wKQ N#U, Zv tkl NUbv bq Ges hvlv#_i tkl cvšI bq| evKx Ask ciKvjxb Rxe#b Avm#e| th ciYvg gôlgb I #Lv`v#`vnx#`i R#b` wv`ó i#q#Q, Zv h\_vmg#q AwbevfvteB t`Lv t`#e|

‘যারা মু’মিন নারী ও পুরুষদেরকে নির্যাতনের শিকার করেছে’...Zv#`i tmB avš bxwZ#Z AwePj t#\_K#Q Ges wbtR#`i KZK#gi e`vcv#i AbZš nqib Ges Zvlev K#iwb, Zv#`i R#b` i#q#Q Rvnbv#gi Avhve Ges `n#bi Avhve|

GLv#b ‘দহন’ kãwU `úofvte D#jL Kiv n#q#Q, hw` I ‘জাহান্নামের আযাব’ K_vUv ØvivB Zv eSv hvq Ges Avjv`vfvte D#jL Kivi c#qvRb nq bv| Gfvte D#jL Kivi D#İK` n#jv, ‘উখদুদ’ ev ciwlvq th `nb hšYv t`qv n#q#Q, Zvi necix#Z GB kã Øviv Avi GKwU `nb hšYvi eYbv t`qv| wKš tKv_vq tmB `nb Avi tKv\_vq GB `nY? wK ZxeZvq Ges wK `xN`vq#Z-G `B `nY hšYvi tKv ZjbvB nq bv| `wbqv# `nb-hšYv th Av, b w`#q t`qv nq, tm Av, b Rvjvq gvbI Avi Av#Liv#Zi `nb-hšYv th Av, b w`#q t`qv nq, Zv `qs Avjvn ZvôAvjv Rvjv#b| `wbqv# `nbwμqv K#qK gûZ `vqx nq Ges

tkl nq hvq| Avi AvLivZi `nb GZv `xN`vqx nte th, Avjvn ZvAvjv Qvov Avi tKD Zvi cwigv Rvfb bv| cwi\_e Rxeþb th gôgbiv `nb-hšYvq tfvMb, Zviv Avjvni mšvll jvf Kþib| Ges gybe Rxeþb th gôgbiv `nb-hšYvq tfvMb, Zviv Avjvni mšvll jvf Kþib| Ges gybe Rxeþbi mgnvb mv_KZv I Zvrch ARb Kþi mdj nb|

c¶všþi AvLivZi `nb-hšYvi mv\_ Avjvni tµvaI msh<sup>3</sup> iþqQ Ges tmB mv\_ iþqQ jvÂbv, Acgvb I wa°vi| hviv Cgvb GþbQ I mrKvR KþiQ, teþnkZ Zv`i Ici ewIZ nte Avjvni mšvll I AbMn| e`Z GUvB nþ”Q cKZ gw<sup>3</sup> Ges ‘এটাই বিরাট সাফল্য’ i’ ‘আলফাওয়’ ejþZ gw<sup>3</sup> I mvdj”`þUvB eSvq| AvLivZi Avhve t_þK wb@Kiz jvfB thLvþb mvdj”, tmLvþb wbbþ`k w`þq SYvaviv cevwnZ iþqQ Ggb teþnkZ jvf Kiv th Avþiv KþZv eo mvdj” Zv ejvB Aþc¶v ivþL bv|

GB ciibvZ I Kgdj c`vþbi gva`tg ciµqvU `xq wbu`ó iþc w`vZ jvf Kþi| e`Z GUvB NUBvi cKZ cwiYvZ| cwi_exþZ þhUK NþUþQ, tmU NUBvi GKU cvš ev Ask gvÎ| GLvþb Zv tkl nq| NUBvi GB c_g chþjvPbwUþZ G K_vB eSvþbv nþqQ, hvþZ tm mgq g°vq Ae`Z gótgq msL`K gôgbþi gþb Ges mehþMi mKj wbhvZZ gôgb`þji cþeva t`qv hvq|

আল্লাহর কিছু ছেফাত

Gi ci µgvMZ chþjvPbv AvmþQ| ‘নিশ্চয় তোমার প্রতিপালকের পাকড়াও অত্যন্ত কঠিন’ I GLvþb cvKovIþK KivB eþj gše” Kiv BiZcþe eYxZ NUBvi mv_ mvgÄm”cY| tmLvþb GKU ¶` I bMY” cvKovI Gi `k” t`Lvþbv nþqQ| tmUþK IB cvKovI-Gi tnvZviv Ges mvaviY gvbliv weivU eþov I wb`vi”Y KivB e`vavi gþb Kþi| Avmþj KivB cvKovI nþ”Q tmB gnvcivµgvjx I t`v`vÜcZvckvjx Avjvni cvKovI, whwb AvKvK I cwi\_exi ivRþZi gwjK| BvZvþmi GKU mxvgZ mgþq GKU mxvgZ fLþÜi Ici AvacZ” we`viKvix`ej I bMY” tþjvKþ`i cvKovI tm Zjbvq tZgb KivB wRvbm bq|

evK`Ui evPbfsM tkvZv A\_vr imj (mt) I e<sup>3</sup>v A\_vr Avjvni ga`Kvi maúþKi Ici AvþjvKcvZ Kþi| Avjvn ZvAvjv eþjþQb t ‘তোমার প্রতিপালকের পাকড়াও...’ A_vr tZvgi tmB ciZcvjK, hvi ciZcvjþbi mv_ Zlg IZþcvZfvþe RvOZ Ges Zvi mnqZvi Ici Zlg wbfikxj....Avi GB maúK G t¶þÎ LeB gj`evb| tKbbv GLvþb gôgbþ`i wbhvZþbi`vþq cvwôþ`i cvKovI nevi eYbv iþqQ|

‘নিশ্চয় তিনি প্রথম সৃষ্টি ও পুনঃসৃষ্টিকারী’ I c_g mío I cbmío kã`U Øviv hw`I gjZ BnKvþj i Rbþ I ciKvþji cbRbþK eSvþbv nþq`vþK, Z\_wic G`U mRb ciµqv`bivþÎi cwiZ gûþZ KvþKi iþqQ| cwiZ gûþZ bZb mRb PjþQ Ges cwiZ gûþZ hv civZb nþq aýsk I gZ`i gþL ciZZ nþ”Q Zvi cbtmRb PjþQ| tMvUv wek cKvZþZ PjQ µgvMZ be be mRb Ges Ae`vnZ cvPxbZ cwiB I wejwB| Avi GB wPišb I mevZK mRb I cbtmRb ciµqvB G chvþq ‘উখদুদ’ ev cwiLvi NUBv NþU| Gi cKvKZ djdj I wQþjv ev`e I A`ó ZþË GKUv Pjš I cvjvµvgK e`vavi|

mZivs ejv Pþj, cwiLvi G NUBv wQþjv GK cbtmRb cvjvi mPbv A_ev GKU c_g mío cbviviE| Avi GUv wQj kvkZ mRb ciµqvB GKU cvjv gvÎ|

‘আর তিনি ক্ষমাশীল মমতাময়’ I BvZcþe ‘অতঃপর তওবা করেনি’ Dv³Ui mv_ ¶lgvKxjZvi maúK iþqQ| GB ¶lgvKxjZv Avjvni cevngvb`qv I AbMþni GK mxgvnxb I Adiš cKvK| GuU Ggb GK wPi Dbþ<sup>3</sup>`qvi, hv KLþbv tKvþbv ZvlevKvix ev cZ`veZbKvixi gþLi Ici eÜ Kiv nq bv, Zv Zvi cvc hþZv eo I RNb” tnvK bv tKb| ‘মমতা’ ,YuU gôgbþ`i Ae`vi mv_ maú³|

g`igbiv Zvþ`i`qvj tmn-ggZvgg ieYþK me wKQi Dþa`vb w`þq`vþK| Avi Avjvn ZvAvjv Zvi tmB evþ`vþ`i Ae`vb DbxZ Kþib, hviv ZvþK fvþjveþm Ges ZvþK Ab” me wKQi Ici`vb t`q| wZvb Zvþ`i Ae`vb GþZv DbZ Kþib th, Avjvni AbMn bv nþj tþLbx w`þq Zv eYbv Kiv hvq bv| tmB Ae`vb nþ”Q Avjvn ZvAvjv I Zvi ga`Kvi eÜþZi Ae`vb|

Avi ‘মমতাময়তা’i Ae`vb nþjv Avjvni wczg I NwbôZgþ`i Ae`vb| th evþ`viv wþRþ`i bki RxeþK Zvi Rþb” wemRb t`h, Zvþ`i Rxeþbi ghv`v KþZv DbxZ nþZ cvþi tþþe t`Lvþi`vex ivþL| cwi_e Rxeþbi th ¶Y`vqx hjg wbhvZbþK Zvi wcz evþ`viv nvimgþL ei`vkZ Kþi, Avjvni GK tðvUv wgió tmn, ggZv I cwiZi mvgþb Zv th KþZv Z”Q I bMY”, eþj eSvþbv KivB|

`wbqvþ tKvB gvþþi tMvjvg ev PvKi-bdiiv gwþþei gL t\_þK GKU AvZ ¶` DrmvneaK evK”`iþþj wKsev Zvi gþL weþ`gvÎ mšþvli j¶Y dþU DVþj Zvi Rþb” Rxeb wewjþq w`þZ c`Z nþq hvq| A_P tm Avjvni GKRb evþ`v Ges ZvivI ZviB evþ`v| Zvnþj Avjvni evþ`v`i ga`Kvi Ae`vUv wK iKg nIqv DvPr? whwb gnvb Aviþki AvaciZ, hvi Ae`vb mþev”P, whwb gnqvþb Mixqvþb, civµvš, wZvb hLb cwiZ, tmn I ggZv gvLv`þi K_v eþjb I wþRi w`þK AvKó Kþib,

ZLb Zvi cWZ wKijc gþbvfe t`Lvþbv DPr? e`Z tmB gnwb Avþki, tmngq gwþjþKi gL tþK hLb mvgvb`Zg mþšvþi Avfvm dþU DVþe, ZLb Zvi mvgþb Rxeb hšYv, `tL gmeZ Ges th tKvþbv gj`evb ev wq RþblþK Z`Q gþb Kiv DPr|

‘তিনি যা ইচ্ছা করেন তা করে ছাড়েন।’ GwU Zvi Ggb GKwU ,Y, hv cWZwbqZ I mefY KvþKi vþK| wZwb hv B`Qv Kþib Kþi Qvþob| mZivs wZwb e`vcKZg vaxb B`Qvkw<sup>3</sup> I AwKvix, hv B`Qv Kþib gþbvþZ Kþib, Av hv gþbvþZ Kþib Zv ev`ewqZ Kþib| GUv Zvi wPi`vqx ,Y`ewkó` KLþbv wZwb B`Qv Kþib, th gþgbiv GB`wbqvþZB mdj I wRqx tnvK| wþRi tKvb cÁv, m`kwZv ev tKškj Ávþbi LwZþiB wZwb Gijc B`Qv Kþi vþKb|

Avevi KLþbv B`Qv Kþib th, wþhvZb wbcxþbi Ici Cgvb Rqx tnvK Ges bði t`n wejxb nþq hvK| G iKg wmvšI wZwb wþq vþKb tKvb enEi Kj`vYi LwZþi| KLþbv Avjvnþ`vnx hvþjgþ`iþK cw`extZB cvKovI Kivi wmvš tbb, Avevi KLþbv Zvþ`iþK tKqvgZ chš AeKvk w`þZ Pvb| G meB Kþib Zvi wþRi tKškj wnmvþe, hv KLþbv BnKvj KLþbv ciKvj ev`ewqZ nq| Avi GmeB Avjvni ciKíbv Aaxþb nþq vþK|

G nþ`Q Avjvni B`Qvaxb KvþRi GKwU w`K hv AvþjvP` NUBvi mvþ` Ges cieZxþZ AvþjwPZ tdivDb I mvgþ`i NUBvi mvþ` mvgÁm`cY| wKš GQov cW`extZ ciZw`b th NUBvmgn NþU vþK Zvi cðvþZ Ges Rxeb I RMþZi tCQþb Avjvni th vaxb , mveþfšg I kZnx B`Qvkw<sup>3</sup> w`gþv, Zv mg`wek-Pivþi I cKwZþZ mefY KvþKi iþqþQ|

wZwb hv B`Qv Kþib Zv th Kþi Qvþob Zvi GKwU bgbv t`Lb, ‘তোমার কাছে কি ফেরাউন ও সামুদের বাহিনীর খবর পৌঁছিয়েছে?’

GLvþb`þUv jþv NUBvi w`þK BwMZ t`qv nþqþQ| tKbbv tKviAvþb Zvþ`i NUBv eU RvqMvq eYxZ nþqþQ| ZvB tKvZvþ`i G e`vcvþi wKQ Rvbv AvþQ aþi wþqB G K_v ejv nþqþQ| Zvþ`i kw<sup>3</sup> I thvM`Zvi cWZ BwMZ`ijc Zvþ`iþK ‘বাহিনী’ ejv nþqþQ| GB`B ewnbxi NUBvejx Gs Zvþ`i t`fþI Avjvn ZvþAvjv wKfvþe wþRi B`Qv ev`ewqZ KþiþQb tZvgiv Zv Rvþbv wK?

GB`þUv NUBvB wþR wþR djvdj I cKwZi w`K tþK wfb aiþbi| tdivDþbi t`fþI tZv Avjvn ZvþAvjv ZvþK I Zvi ewnbxþK aýsk Kþi w`qþQþb Ges ebx BmivCj RwZþK Zvi nvZ tþK g³ KþiþQþb| Zvici ebx BmivCjþK wKQ Kvj cw`extZ fvgZv I vaxbZv`vb Kþib, hvþZ Zvþ`i w`þq wZwb wþRi wKQ B`Qv I ciKíbv ev`ewqZ Kþib| Avi mvg` RwZþK Avjvn ZvþAvjv aýsm Kþi t`b Ges nhiZ mvþjn (Avt) tK I Zvi gþógg mSL`K gþgb mSMxþK gw<sup>3</sup> t`b| cieZx mgq Zviv tKvb ivRZ ev ivó nvþZ cvþb| wþQK GKwU dvþmK RwZi AviacZ` I tMvjvgx tþK gw³ tþqþQb|

G`wU NUBvq Avjvni B`Qvi`wU bgbv Ges Avjvni w`þK`vIqvZ`vb I Zvi mþve`cwZwqvþi`wU aib t`LþZ cvIhv hvq| GiB ZZxq aib nþjv ‘উখদুদ’ NUBv| g`vi mSL`vjN gþgb`j Ges cþZ`K cRþbi gþgbþ`i Rþb` Avjvn ZvþAvjv GB me KqU bgbv tck KþiþQb|

cwiþKþI`wU tRvi`vi I ejþ gše` Kiv nþqþQ| Gi cþZ`KwUþZ iþqþQ GKwU cWþe`b Ges GKwU Povš ivq I wUvš, ‘বরঞ্চ কাফেররা অবিশ্বাসের নীতিতেই অনড় রয়েছে। অথচ আল্লাহ তা’আলা তাদেরকে তাদের আড়াল থেকে ঘেরাও করে ফেলবেন।’

Kvþdiþ`i bxwZ I Ae`v nþjv GB th, Zviv ivmj (mt)-þK Zvi`vIqvþZi e`vcvþi wq`K mve`Kivi bxwZ Ae`vnZ ivLþZ excwiKi| ‘অথচ আল্লাহ তা’আলা তাদেরকে সবদিক থেকে ঘিরে রেখেছেন।’ A\_vr Avjvn ZvþAvjv wK fqvþ tµva I Mhe Øviv Zvþ`iþK wNþi tþLþQb Zv Zviv Rvþb| bv| Avmþj mee`vcx So-eb`vq AvUþK cov B`þi i tþqI Zviv`ej|

‘বরঞ্চ তা হচ্ছে মহান কোরআন, যা মহান ফলকে সংরক্ষিত রয়েছে।’ ‘মজীদ’ kþãi A_nþ`Q DbZ, gnwb, tMšiegg| mZivs Avjvni K\_vi tþq DbZ, gnr I tMšiegg K\_v Av Kþiv tþB| GwU iþqþQ msiwZ`vþb| ‘লাওহে মাহফুয’ wK ev tKgb Avgiv RvþþZ cwí bv| tKbbv GwU A`k` Ávþbi AvI Zvf³, hv Avjvn ZvþAvjv Qov Av KþivB Rvbv tþB| Avgiv tKej InxKZ eþþi wKQ fve I BwMZUKB eSþZ cwí| Gi ciZwU Dv³ mšikó wélþq AKvU` I Povš e<sup>3</sup>e`|`wbqví me evYxB AiwZ, GKgv tKviAvþbi evYx msiwZ|

KvþRB DL`þ`i NUBv I Zvi tbc`inm`mþþK tKviAvb hv wKQ eþþQ, ZvI AKvU`, Povš I tKl K_v|